Sixteenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding menace of wild animals in Haridwar, Uttarakhand.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): माननीय अध्यक्ष जी, जैसा कि आपको मालूम है कि उत्तराखंड में 65 से 70 परसेंट वन-क्षेत्र होता है। वहां सात से अधिक राष्ट्रीय वन पार्क हैं, जिसमें राजाजी नेशनल पार्क और कार्बेट पार्क प्रमुख हैं। इनको देखने के लिए पूरी दुनिया आती है।

अध्यक्ष जी, आजकल आदमखोर बाघ के आतंक से हरिद्वार लोकसभा-क्षेत्र समेत पूरा एरिया सहमा हुआ है। वहां दर्जनों लोगों को आदमखोर बाघों ने मारा हैं। जहां एक ओर आदमखोर बाघ घरों में घुसकर लोगों को मार रहे हैं, वहां दूसरी ओर हाथी द्वारा भी मकानों को तोड़कर घर के अंदर से बच्चों को उठाकर मारने का क्रम चल रहा है। इस प्रकार की घटनाएं व्यापक स्तर पर हो रही हैं। इधर बाघों तथा हाथियों की मार हो हो रही है और दूसरी ओर बाढ़ से हरिद्वार और ऋषिकेश के दर्जनों गांव बिल्कुल डूबे हुए हैं।

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि इन जंगली जानवरों के आतंक से हमारे क्षेत्र के लोगों को बचाया जाए। इन्होंने खेती को बर्बाद कर दिया है तथा लोगों को जीना भी दूभर कर दिया है। जंगली जानवरों से लोगों को सुरक्षित करने के लिए तार-बाड़ लगाया जाए, इलेक्ट्रिक तार की व्यवस्था की जाए, दीवार लगाई जाए और जो लोग प्रभावित हैं, उनको बहुत अच्छे तरीके से मुआवज़ा दिया जाए, क्योंकि परिवार में एक ही व्यक्ति काम करने वाला होता है। यदि उसको बाघ मार देता है तो उसका पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है, इसलिए उसको एक सरकारी नौकरी जरूर दी जाए। मेरा आपसे अनुरोध है कि सरकार इस समस्या की तरफ जरूर ध्यान दें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

डॉ. अंशुल वर्मा तथा

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को डॉ. रमेश पोखरियाल निशंकद्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।